# ग. आधारशिला

१. आवासीय घरहरुको वितरण
२. शहरी क्षेत्रमा प्रति एक घरमा परिवार संख्या
३. घरको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण
४. घरको स्वामित्वको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण
५. बत्ती बाल्न परिवारले अक्सर प्रयोग गर्ने उर्जा स्रोतको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण

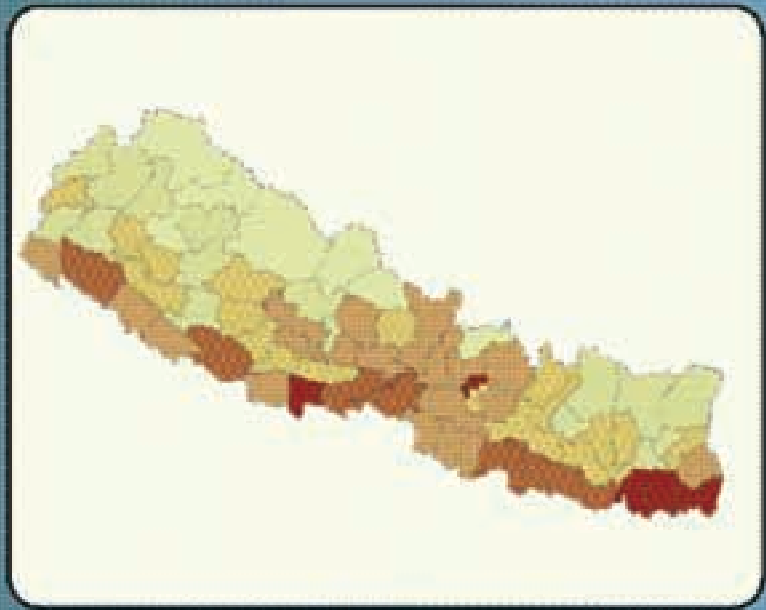

# आवासीय घरहरूको वितरण, २०५८

मानव बासस्थान विकासको एक आवश्यक अंग हो । घरहरूको संख्यालाई देशभरि मानिसहरू बसोबास गर्ने आधारभूत बासस्थानको स्वरूप हेर्ने एउटा सूचकको रूपमा लिइन्छ । जनगणना २०५८ मा घर संख्या सम्बन्धी विवरण पनि संकलन गरिएको थियो । जनगणना २०५८ को परिभाषा अनुसार घर भन्नाले सामान्यतया चारैतिर गारो/टाटी लगाई छानो हालेर मानिस बस्नका लागि प्रयोग गरिएको एक वा एक भन्दा बढी कोठा वा तल्ला भएको बासस्थानलाई जनाउँछ (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्) । यस्तै यस जनगणनाको परिभाषा अनुसार परिवार भनेको एक सामाजिक आर्थिक एकाई हो, जसमा एक वा एक भन्दा बढी व्यक्तिहरू प्राय: संगै बस्दछन् र एकै भान्सामा खानपिन गर्दछन् ।

वि.सं. २०५८ को जनगणनाको नतीजा अनुसार ३५ लाख ९८ हजार २ सय १२ बसोबासयुक्त घरहरूको गणना भएको थियो । यी गणना भएका घरहरूमा ४१ लाख ७४ हजार ३ सय ७४ परिवारहरू बसोबास गरेका थिए । जिल्लागत रुपमा सबैभन्दा कम बसोबासयुक्त घरहरू कालीकोटमा (१,५२८) थियो, जुन नेपाल अधिराज्यभर गणना भएको कूल घर संख्याको ०.०४ प्रतिशत थियो । यस्तै जिल्लागत रुपमा सबैभन्दा बढी बसोबासयुक्त घरहरू मोरङ्गमा (१,४५,०९९) थियो, जुन नेपाल अधिराज्यभर गणना भएको कूल घर संख्याको ४.०३ प्रतिशत थियो । घरहरूको संख्या कम भएका अन्य उल्लेखनीय जिल्लाहरू मनाङ्ग (१,५५५) र मुस्ताङ्ग (२,८७१) थिए भने, घरहरूको संख्या बढी भएका अन्य केही उल्लेखनीय जिल्लाहरू काठमाण्डौ (१,२२,७९५) र झापा (१,१३,९७९) थिए ।

तालिका ग. १

| जिल्ला | घरहरूको संख्या | जिल्ला | घरहरूको संख्या | जिल्ला | घरहरूको संख्या | जिल्ला | घरहरूको संख्या | जिल्ला | घरहरूको संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अर्घाखांची | ३९२३९ | चितवन | ८१७८९ | धनुषा | ९६७६९ | बैतडी | ३२१४८ | रौतहट | ७२८८२ |
| अछाम | ३२०८५ | जाजरकोट | २२५४५ | धादिङ्ग | ५९४८३ | भक्तपुर | ३१३५२ | लमजुङ्ग | ३४४०० |
| ईलाम | ५१३७९ | जुम्ला* | ११०९० | नवलपरासी | ९०४७२ | भोजपुर | ३८१९३ | ललितपुर | ४८२५८ |
| उदयपुर | ४८९७१ | झापा* | ११३९७९ | नुवाकोट | ५०८१० | मकवानपुर | ६३७६६ | सप्तरी | ८६७४७ |
| ओखलढुङ्गा | २९४२५ | डडेलधुरा | १७५७७ | पर्वत | २९६७४ | मनाङ्ग | १५५५ | सल्यान* | १०५०३ |
| कञ्चनपुर | ५६३३५ | डोटी | २७१९३ | पर्सा | ६१८७८ | महोत्तरी | ७७६१५ | सर्लाही | ९१८१० |
| कपिलबस्तु | ६६१०२ | डोल्पा* | ३७७१ | पाल्पा | ४६१०४ | म्याग्दी | २२२५८ | स्याङ्जा | ५८६०१ |
| काठमाण्डौ | १२२७९५ | तनहूँ | ५७०७७ | पाँचथर | ३४६४६ | मुगु* | ५४०९ | संखुवासभा | २९३२४ |
| काभ्रेपलाञ्चोक | ६५६११ | ताप्लेजुङ्ग | २३२२९ | प्यूठान | ३८०९४ | मुस्ताङ्ग | २८७१ | सिन्धुपाल्चोक* | ५३०३० |
| कालीकोट* | १५२८ | तेह्रथुम | १९७४५ | बझाङ्ग | २३१४५ | मोरङ्ग | १४५०९९ | सिन्धुली* | ४५७६८ |
| कास्की | ६४७०७ | दाङ्ग | ७६३०७ | बर्दिया | ५५६०७ | रसुवा | ८०९१ | सिराहा* | ८४५३१ |
| कैलाली | ८८८३९ | दार्चुला | १८२२४ | बागलुङ्ग | ५०३८५ | रामेछाप | ३८८६० | सुनसरी | १००६९५ |
| खोटाङ्ग | ४२०१० | दैलेख | ३६८८७ | बाँके | ५५८४२ | रुकुम | ३२१८४ | सुर्खेत* | ४६०१२ |
| गुल्मी | ५५९४५ | दोलखा* | ३२७३३ | बाजुरा* | १२४८९ | रूपन्देही | १०१९३१ | सोलुखुम्बू | २०७८६ |
| गोरखा | ५५४६७ | धनकुटा | २९८५७ | बारा | ७२५६७ | रोल्पा | ३७३९६ | हुम्ला | ६७३१ |

(अप्रकाशित)

* यी अङ्कहरू गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरूको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

# आवासीय घरहरूको वितरण

जिल्ला अनुसार कुल आवास घरहरूको वितरण, २०५८

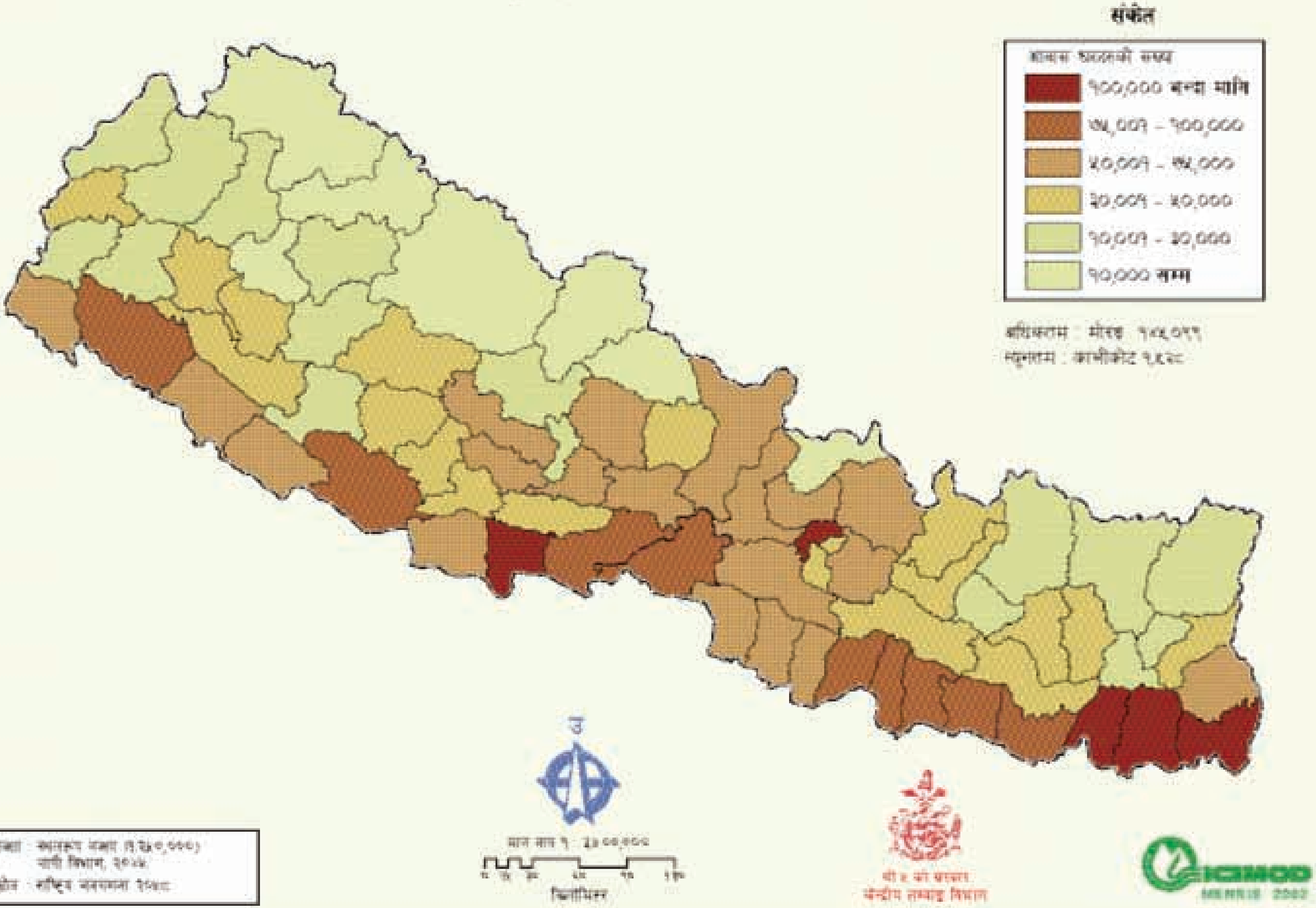

# शहरी क्षेत्रमा प्रति घरमा बसेका परिवार संख्या, २०५८

पर्याप्त बासस्थानको उपलब्धताले सुरक्षित, बढी न्यायसंगत, उत्पादनशील र स्वस्थ बसोबास प्रक्रियामा योगदान पुग्दछ । अत्यधिक जनघनत्व, अपर्याप्त योजना तथा आर्थिक स्रोतहरू र बेरोजगारी जस्ता सबै तत्वहरूले बसाईंको अवस्थामा प्रभाव पार्दछ । यस्ता समस्याहरू शहरी क्षेत्रहरूमा अझ गम्भीर हुने गर्दछ । प्रति घर औसत परिवारको संख्या भन्नाले मानिसको बसोबास भएको प्रत्येक घरमा सरदर परिवारहरूको संख्या हो । यस सूचकले नगरक्षेत्रमा बसोबासको घनापनको स्थिति बोध गराउँछ । यस सूचकको उच्च अङ्कले नगरक्षेत्रमा बसोबास घना हुँदै गएको कुरालाई संकेत गर्दछ । यस्तै यस सूचकको मान बृद्धिले नगरक्षेत्रमा बसाईं-सराईको प्रवाहको अवस्थालाई पनि बोध गराउँछ ।

वि.सं. २०५८ को जनगणनाको नतीजा अनुसार नेपाल अधिराज्यको सम्पूर्ण नगर क्षेत्रहरूको गणना भएका ४ लाख ३६ हजार ५ सय १३ घर संख्यामा ६ लाख ६४ हजार ५ सय ७ परिवार संख्या बसोबास गरेका थिए । यस तथ्याङ्कको आधारमा देशको नगर क्षेत्रहरूमा प्रति एक घरमा सरदर १.५२ परिवारहरू बसोबास गरेका थिए । अर्को शब्दमा प्रति १ सय घरहरूमा १५२ परिवारहरूको बसोबास थियो । नगर क्षेत्र भएका ४३ जिल्लाहरूको तथ्याङ्कलाई तुलना गर्दा प्रति घर सरदर परिवार संख्या सबैभन्दा कम नुवाकोटमा (१.०९) र सबैभन्दा बढी काठमाण्डौमा ( २.२३) रहेको थियो । नगर क्षेत्र भएका यी जिल्लाहरूको प्रति घर सरदर परिवारको संख्यालाई राष्ट्रिय औसत (१.५२) संग तुलना गर्दा ३७ जिल्लाहरूमा यो संख्या राष्ट्रिय औसत भन्दा कम र ५ जिल्लाहरूमा उच्च थियो ।

तालिका ग. २

| जिल्ला | परिवार संख्या** | जिल्ला | परिवार संख्या** | जिल्ला | परिवार संख्या** | जिल्ला | परिवार संख्या** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ईलाम | १.५५ | डडेलधुरा | १.३४ | पाल्पा | १.५० | रौतहट | १.१९ |
| उदयपुर | १.१४ | डोटी | १.४४ | बर्दिया | १.२३ | ललितपुर | १.७७ |
| कञ्चनपुर | १.१५ | तनहूँ | १.३१ | बाग्लुङ्ग | १.३२ | सप्तरी | १.२६ |
| कपिलबस्तु | १.१४ | दाङ्ग | १.२७ | बाँके | १.४६ | सर्लाही | १.२९ |
| काठमाण्डौ | २.२३ | दैलेख | १.१९ | बारा | १.२५ | स्याङ्जा | १.२० |
| काभ्रेपलाञ्चोक | १.२४ | दोलखा* | १.१९ | बैतडी | १.२२ | संखुवासभा | १.१३ |
| कास्की | १.६० | धनकुटा | १.४६ | भक्तपुर | १.४६ | सिन्धुली* | १.१२ |
| कैलाली | १.१७ | धनुषा | १.४० | मकवानपुर | १.४५ | सिराहा* | १.२९ |
| गोरखा | १.२३ | नवलपरासी | १.२२ | महोत्तरी | १.३० | सुनसरी | १.४८ |
| चितवन | १.३४ | नुवाकोट | १.०९ | मोरङ्ग | १.५२ | सुर्खेत* | १.३५ |
| झापा* | १.२७ | पर्सा | १.६८ | रूपन्देही | १.४२ | | |

* यी अङ्कहरु गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरुको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

**

# शहरी क्षेत्रमा प्रति घरमा बसेका परिवार संख्या



शहरी क्षेत्रमा प्रति एक बसोबास भएको घरमा सरदर परिवारहरूको संख्या, २०५८

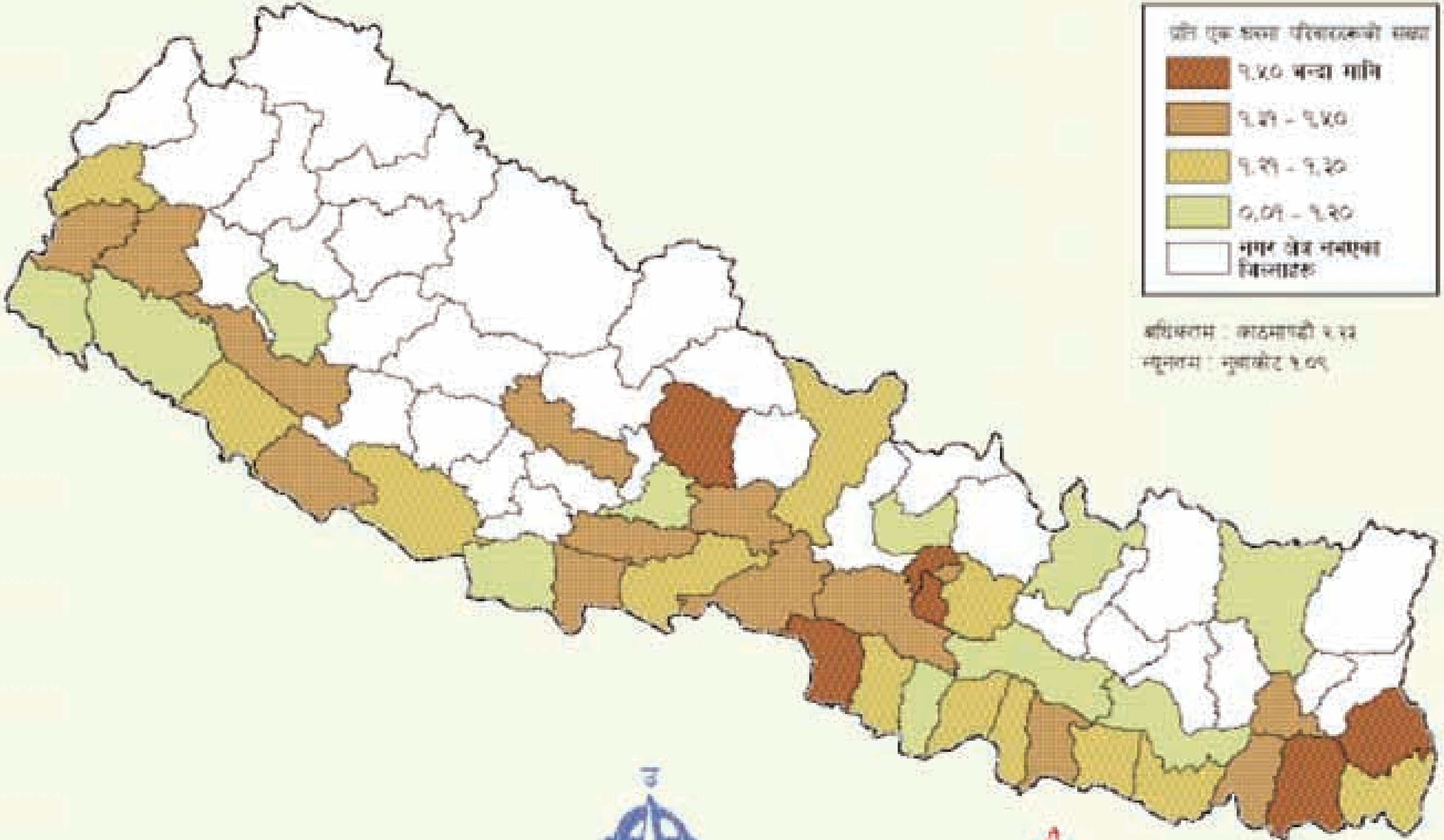

**संकेत**

प्रति एक घरमा परिवारहरूको संख्या

- १.५० भन्दा माथि
- १.३१ - १.५०
- १.२१ - १.३०
- ०.०१ - १.२०
- नगर क्षेत्र नभएका जिल्लाहरू

अधिकतम : काठमाण्डौ २.२३

न्यूनतम : नुवाकोट १.०९

मापन १ : ३,५००,०००

० १५ ३० ६० ९० १२०

किलोमिटर

आधार नक्सा : सहायक नक्सा (१:५०,०००)
नापी विभाग, २०५५

तथ्याङ्क स्रोत : नेपाल जनगणना २०५८

श्री ५ को सरकार
केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

ICIMOD
MENRIS 2003

# घरको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण, २०५८

देशमा भएका विभिन्न प्रकारका आवास घरहरूको संरचनाले जनसंख्याको सामान्य सामाजिक-आर्थिक स्थितिबारे महत्वपूर्ण अवस्था झल्काउँछ । वि.सं. २०५८ को जनगणनामा परिवारले प्रयोग गरेको घरको प्रकारबारे तथ्याङ्क संकलन गरिएको थियो । गणनामा तथ्याङ्क संकलनका लागि घरको प्रकारलाई पक्की, अर्ध-पक्की, कच्ची र अन्य गरी ४ प्रकारहरूमा समूहकृत गरिएको थियो । जनगणनाको परिभाषा अनुसार घर भन्नाले सामान्यतया चारैतिर गारो/टाटी लगाई छानो हालेर मानिस बस्नका लागि प्रयोग गरिएको एक वा एक भन्दा बढी कोठा वा तल्ला भएको बासस्थानलाई जनाउँछ । घरको बाहिरी गारो र छाना दुवै पक्की सामग्रीहरूबाट बनेको भए सो घरलाई पक्की घरको रूपमा गणना गरिएको थियो । घरको गारो र छाना मध्ये कुनै एक पक्की सामग्री र अर्को कच्ची सामग्रीबाट बनेको भए सो घरलाई अर्ध-पक्की घरको रूपमा गणना गरिएको थियो । यस्तै घरको बाहिरी गारो र छाना दुबै कच्ची सामग्रीहरूबाट बनेको भए सो घरलाई कच्ची घरको रूपमा गणना गरिएको थियो । उल्लेखित ३ प्रकारका घरहरू बाहेक यदि मान्द्रो, प्लाष्टिक, पराल, चोया, निगालो, पाल आदिले बनाएको बासस्थानलाई अन्यमा गणना गरिएको थियो ।  यहाँ गणना गरिएको सम्पूर्ण परिवारहरू मध्ये प्रत्येक प्रकारका घरमा बस्ने परिवारहरूको प्रतिशत अनुपातलाई यहाँ प्रस्तुत गरिएको छ ।

वि.सं. २०५८ को जनगणनाको नतीजा अनुसार गणना भएको ४१ लाख ७४ हजार ३ सय ७४ परिवार संख्या मध्ये ३६.६१ प्रतिशत पक्की घरमा, २९.१८ प्रतिशत अर्ध-पक्की घरमा, ३३.४६ प्रतिशत परिवारहरू कच्ची घरमा बसोबास गरेका थिए । यस्तै जम्मा ०.७५ प्रतिशत परिवारहरू मात्र अन्य प्रकारका घरमा बसोबास गरेका थिए । तालिका ग.३ (क) मा प्रत्येक प्रकारका घरमा बस्ने परिवारको प्रतिशत अनुपात सबैभन्दा बढी र सबैभन्दा कम भएको जिल्लाहरूको विवरण प्रस्तुत गरिएको छ । यस्तै तालिका ग.३ (ख) मा प्रत्येक प्रकारका घरमा बस्ने परिवारको प्रतिशत अनुपातको जिल्लागत वितरण प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका ग.३ (क)**

| घरका प्रकार | सबैभन्दा कम प्रतिशत भएका जिल्ला | सबैभन्दा बढी प्रतिशत भएका जिल्ला |
|---|---|---|
| पक्की | हुम्ला (०.९३) | बैतडी (९६.७२) |
| अर्ध-पक्की | बैतडी (२.६९) | हुम्ला (९८.४३) |
| कच्ची | बैतडी (०.४३) | सप्तरी (८२.३१) |
| अन्य | डोल्पा (०.०५) | धनकुटा (२.४४) |

तालिका ग.३ (ख)

| जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य | जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अर्घाखाँची | ५०.२९ | २४.०४ | २५.१३ | ०.५४ | डडेलधुरा | ७२.९४ | १४.८१ | ११.९८ | ०.२६ |
| अछाम | ६८.७३ | २६.८१ | ४.२४ | ०.२१ | डोटी | ७९.०२ | १५.२९ | ५.३८ | ०.३१ |
| ईलाम | २८.७६ | ३३.६८ | ३६.८५ | ०.७१ | डोल्पा• | १.८८ | ९५.११ | २.९७ | ०.०५ |
| उदयपुर | ४.५३ | २६.७९ | ६६.६६ | २.०२ | तनहूँ | ५१.२३ | २८.८८ | १९.४६ | ०.४३ |
| ओखलढुङ्गा | २८.३८ | ६१.९९ | ८.८८ | ०.७५ | ताप्लेजुङ्ग | १२.८१ | ६२.२१ | २४.४० | ०.५८ |
| कञ्चनपुर | २१.७३ | ३०.५६ | ४६.५० | १.२१ | तेह्रथुम | १८.५८ | ६५.१६ | १५.५७ | ०.६९ |
| कपिलबस्तु | ४५.९२ | १५.८८ | ३५.८८ | २.३२ | दाङ्ग | १३.९९ | २७.२८ | ५८.२५ | ०.४९ |
| काठमाण्डौ | ८०.९८ | १२.९६ | ५.७० | ०.३७ | दार्चुला | ९२.७८ | ६.२२ | ०.८१ | ०.१९ |
| काभ्रेपलाञ्चोक | ५०.३३ | ३६.४७ | १२.८६ | ०.३४ | दैलेख | ५२.५० | ४०.७३ | ६.५५ | ०.२२ |
| कालीकोट• | ३२.०८ | ५७.२६ | १०.६६ | ०.०० | दोलखा• | ६४.३१ | २६.७२ | ८.२६ | ०.७१ |
| कास्की | ७३.८८ | १७.५६ | ८.२८ | ०.२८ | धनकुटा | १०.६१ | ३२.३३ | ५४.६२ | २.४४ |
| कैलाली | १५.२४ | ३४.२० | ४९.६७ | ०.८९ | धनुषा | १४.०२ | २४.२० | ६०.७१ | १.०७ |
| खोटाङ्ग | १०.७९ | ७७.५१ | ११.२२ | ०.४८ | धादिङ्ग | ६०.१४ | २८.६६ | १०.९९ | ०.२१ |
| गुल्मी | ५२.०७ | ३१.९८ | १५.५५ | ०.४० | नवलपरासी | ३१.२५ | २९.९५ | ३८.५२ | ०.२८ |
| गोरखा | ५२.०१ | ३४.८३ | १२.३४ | ०.८२ | नुवाकोट | ६६.५८ | २२.६९ | १०.४५ | ०.२८ |
| चितवन | ४२.७४ | २१.२९ | ३५.३६ | ०.६१ | पर्वत | ५७.६० | २९.६५ | १२.३० | ०.४५ |
| जाजरकोट | ६८.३६ | २६.१३ | ५.२७ | ०.२४ | पर्सा | २९.०८ | २६.४० | ४४.०० | ०.५२ |
| जुम्ला• | ३.१४ | ९५.८९ | ०.८६ | ०.१० | पाल्पा | ४५.४१ | ३६.१२ | १८.१९ | ०.२८ |
| झापा• | १७.०४ | २९.०९ | ५२.३८ | १.४९ | पाँचथर | १०.८६ | ५१.५२ | ३५.९९ | १.६३ |

*यी अङ्कहरु गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरुको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

तालिका ग.३ (ख) क्रमश......

| जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य | जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्यूठान | ३१.२० | ४७.५१ | २१.०३ | ०.२७ | रुकुम | ३३.४१ | ४९.६६ | १६.६१ | ०.३२ |
| बझाङ्ग | ६६.७७ | २५.०४ | ८.०१ | ०.१७ | रूपन्देही | ५२.१८ | १६.४३ | ३०.४९ | ०.९० |
| बर्दिया | १२.६९ | २५.२२ | ६१.४२ | ०.६६ | रोल्पा | ३८.१८ | ५१.३१ | १०.१७ | ०.३३ |
| बाग्लुङ्ग | ६६.३० | २२.८५ | १०.४७ | ०.३८ | रौतहट | ८.७३ | २८.०५ | ६१.२३ | १.९९ |
| बाँके | २९.७९ | २५.५० | ४२.९० | १.८१ | लमजुङ्ग | ५१.४१ | २९.९७ | १७.९० | ०.७१ |
| बाजुरा* | ६३.२३ | ३१.२५ | ५.१९ | ०.३३ | ललितपुर | ७७.९० | १२.८९ | ८.८६ | ०.३४ |
| बारा | १८.०९ | ३८.१७ | ४२.५२ | १.२२ | सप्तरी | ८.५७ | ८.६३ | ८२.३१ | ०.४८ |
| बैतडी | ९६.७२ | २.६९ | ०.४३ | ०.१६ | सल्यान* | २३.६८ | ५१.८९ | २३.९८ | ०.४६ |
| भक्तपुर | ६९.५६ | १६.७३ | १३.४५ | ०.२६ | सर्लाही | ९.०३ | ३४.४८ | ५४.८२ | १.६७ |
| भोजपुर | ३.७७ | ६०.२६ | ३५.०४ | ०.९३ | स्याङ्जा | ५०.४७ | ३७.४९ | ११.८६ | ०.१८ |
| मकवानपुर | ३४.१३ | ३०.२६ | ३५.२७ | ०.३४ | संखुवासभा | ६.९४ | ४७.४१ | ४४.४९ | १.१७ |
| मनाङ्ग | १३.६८ | ८३.११ | ३.०४ | ०.१७ | सिन्धुपाल्चोक* | ६९.५१ | २१.९१ | ८.१० | ०.४८ |
| महोत्तरी | ९.०१ | ३६.३४ | ५४.१० | ०.५५ | सिन्धुली* | १०.५४ | ४३.७२ | ४५.०३ | ०.७१ |
| म्याग्दी | ८०.६१ | १३.१९ | ५.८२ | ०.३८ | सिराहा* | ९.८० | १५.२९ | ७४.४२ | ०.४९ |
| मुगु* | १.४२ | ८४.९८ | १३.५ | ०.१० | सुनसरी | १८.७३ | २३.५६ | ५६.८३ | ०.८९ |
| मुस्ताङ्ग | २.९० | ४८.२० | ४८.५४ | ०.३७ | सुर्खेत* | १९.७४ | ३२.३६ | ४७.३९ | ०.५० |
| मोरङ्ग | १६.४५ | २६.४३ | ५६.०४ | १.०८ | सोलुखुम्बू | १६.६८ | ७१.३३ | १०.५८ | १.४१ |
| रसुवा | ३४.५६ | ५०.८३ | १२.९३ | १.६९ | हुम्ला | ०.९३ | ९८.४३ | ०.४९ | ०.१४ |
| रामेछाप | ३२.३७ | ५४.९७ | १२.१४ | ०.५२ | | | | | |

*यी अङ्कहरु गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन्, किनकी यी जिल्लाहरुको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

# घरको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण



कुल परिवार संख्यामा कुनै निश्चित प्रकारको घरमा आवास गर्ने परिवार संख्याको अनुपात प्रतिशतमा, २०५८

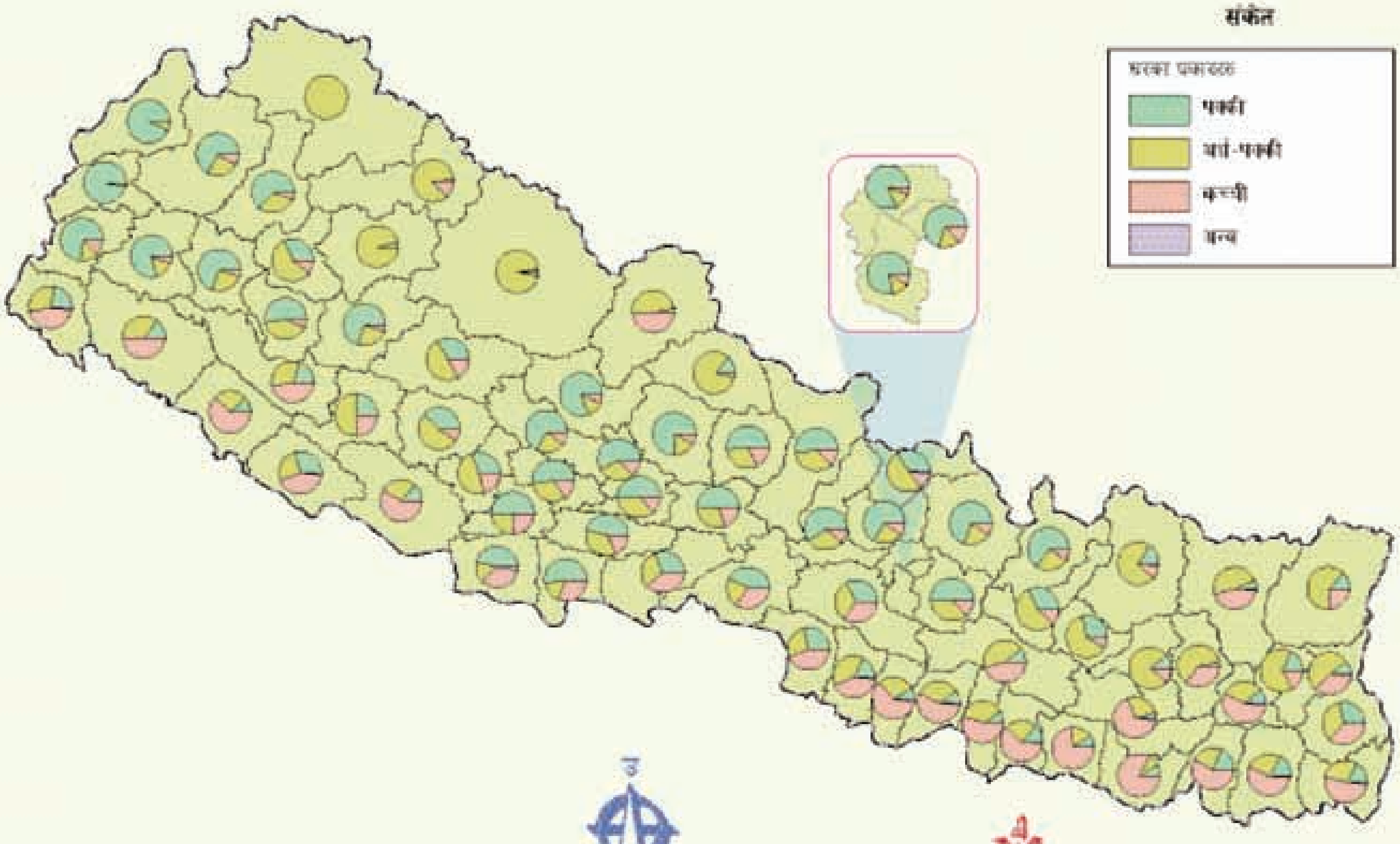

# घरको स्वामित्वको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण, २०५८

जनगणना २०५८ को परिभाषा अनुसार घरको स्वामित्व भन्नाले कानुनी अधिकारको स्वामित्वलाई बुझाउँछ । यस जनगणनामा परिवारले प्रयोग गरेको घरको स्वामित्वको प्रकारबारे तथ्याङ्क संकलन गरिएको थियो । गणनामा तथ्याङ्क संकलनका लागि घरको स्वामित्वको प्रकारलाई निजी, भाडामा र अन्य गरी ३ प्रकारमा समूहीकृत गरिए पनि जनगणनाबाट आएको नतीजालाई ५ वटा स्वामित्वका प्रकारहरू जस्तै निजी, भाडामा, संस्थागत, भाडा तिर्नु नपर्ने र अन्य वर्गमा समूहीकृत गरी नतीजा प्रकाशित गरिएको थियो । यस जनगणनामा परिवार बसोबास गरेको घर, घरखण्ड वा फ्ल्याट परिवारका कुनै सदस्यको कानुनी अधिकार वा स्वामित्व भएको घरलाई निजी घरको रूपमा परिभाषित गरिएको थियो । यस्तै बसोबास गरेका घर, घरखण्ड वा फ्ल्याटमा परिवारको कुनै पनि सदस्यको कानुनी अधिकार नभएको तर घरमा बसे वापत भाडा तिरेको भए, सो घरलाई भाडामा बसेको घरको रूपमा परिभाषित गरिएको थियो । यदि बसोबास गरेको घर सरकारी वा अन्य कुनै संस्थागत स्वामित्वको भए, त्यस प्रकारको घरलाई संस्थागत घरको रूपमा समूहीकृत गरिएको थियो । यस्तै बसोबास गरेको घर, घरखण्ड वा फ्ल्याटमा परिवारको कुनै पनि सदस्यको कानुनी अधिकार नभएको साथै घरमा बसे वापत भाडा तिर्नु नपर्ने तर हकवालाको स्वीकृतिबाट परिवार बसेको घरलाई भाडा तिर्नु नपर्ने घरको रूपमा समूहीकृत गरिएको थियो । बसोबास गरेको घर उल्लेखित स्वामित्वको प्रकार भन्दा फरक भएको साथै घरको स्वामित्व पहिचान नभएको भए उक्त घरमा बसेको परिवारलाई अन्यमा समूहीकृत गरी गणना गरिएको थियो ।

वि.सं. २०५८ को जनगणनाको नतीजा अनुसार गणना भएको ४१ लाख ७४ हजार ३ सय ७४ परिवार संख्या मध्ये ८८.२६ प्रतिशत निजी घरमा, ८.९१ प्रतिशत भाडाको घरमा, २.४३ प्रतिशत परिवारहरू संस्थागत घरमा बसोबास गरेका थिए । जम्मा ०.२३ प्रतिशत परिवारहरू  भाडा तिर्नु नपर्ने घरमा र ०.१७ प्रतिशत परिवारहरू अन्य प्रकारको घरमा बसोबास गरेका थिए । तालिका ग.४ (क) मा प्रत्येक प्रकारको स्वामित्व अनुसारको घरमा बस्ने परिवारको प्रतिशत अनुपात सबैभन्दा बढी र सबैभन्दा कम भएको जिल्लाहरूको विवरण प्रस्तुत गरिएको छ । यस्तै तालिका ग.४ (ख) मा प्रत्येक प्रकारको स्वामित्व अनुसारको घरमा बस्ने परिवारको प्रतिशत अनुपातको जिल्लागत वितरण प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका ग.४ (क)**

| घरको स्वामित्वको प्रकारहरू | सबैभन्दा कम प्रतिशत भएका जिल्ला | सबैभन्दा बढी प्रतिशत भएका जिल्ला |
|---|---|---|
| निजी | काठमाण्डौ (४८.४०) | जाजरकोट (९८.२१) |
| भाडा | जाजरकोट (०.७५) | काठमाण्डौ (४८.४४) |
| संस्थागत | जाजरकोट (०.९६) | मुस्ताङ्ग (१०.११) |
| भाडा तिर्नु नपर्ने | स्याङ्जा (०.०३) | मनाङ्ग (८.७३) |
| अन्य | पर्वत (०.०१) | बर्दिया (१.०५) |

तालिका ग.४ (ख)

| जिल्ला | निजी | भाडा | संस्थागत | भाडा तिर्नु नपर्ने | अन्य | जिल्ला | निजी | भाडा | संस्थागत | भाडा तिर्नु नपर्ने | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अर्घाखाँची | ९५.९० | २.२८ | १.६९ | ०.०९ | ०.०४ | डडेलधुरा | ९४.७१ | २.३९ | २.५९ | ०.२७ | ०.०४ |
| अछाम | ९६.८९ | १.७६ | १.२७ | ०.०४ | ०.०४ | डोटी | ९४.५३ | १.९१ | २.६८ | ०.६९ | ०.१८ |
| ईलाम | ८९.९८ | ७.३४ | २.३६ | ०.२३ | ०.१० | डोल्पा• | ९०.५१ | ४.७८ | ४.४४ | ०.११ | ०.१६ |
| उदयपुर | ९३.५० | ३.७४ | २.०४ | ०.५१ | ०.२१ | तनहूँ | ८९.६९ | ७.४५ | २.५८ | ०.१४ | ०.१४ |
| ओखलढुङ्गा | ९५.४४ | २.४१ | २.०५ | ०.०७ | ०.०३ | ताप्लेजुङ्ग | ८७.३७ | ६.१७ | ४.०१ | १.४८ | ०.९७ |
| कञ्चनपुर | ९३.५३ | ३.३८ | २.८९ | ०.१७ | ०.०३ | तेह्रथुम | ८९.४८ | ६.९३ | ३.१४ | ०.१३ | ०.३२ |
| कपिलबस्तु | ९५.१४ | २.६१ | २.०४ | ०.१० | ०.१० | दाङ्ग | ९०.५६ | ७.०६ | २.०२ | ०.२० | ०.१७ |
| काठमाण्डौं | ४८.४० | ४८.४४ | २.६४ | ०.३५ | ०.१७ | दार्चुला | ९५.४९ | २.३३ | १.८९ | ०.२३ | ०.०६ |
| काभ्रेपलाञ्चोक | ९३.७४ | ४.३७ | १.५५ | ०.२४ | ०.१० | दैलेख | ९५.६९ | २.३८ | १.८१ | ०.०७ | ०.०५ |
| कालीकोट• | ८१.१५ | १५.७० | ३.१६ | ०.०० | ०.०० | दोलखा• | ९३.१९ | ३.६० | २.३२ | ०.०७ | ०.८२ |
| कास्की | ६९.८४ | २५.२३ | ३.७१ | ०.७७ | ०.४६ | धनकुटा | ८७.६२ | ८.६६ | ३.५२ | ०.११ | ०.०९ |
| कैलाली | ९१.६० | ५.०० | ३.१६ | ०.१५ | ०.०८ | धनुषा | ९३.५२ | ४.६७ | १.६७ | ०.०५ | ०.०८ |
| खोटाङ्ग | ९५.५३ | २.०१ | १.८५ | ०.२३ | ०.३८ | धादिङ्ग | ९४.८४ | ३.६६ | १.३३ | ०.१० | ०.०७ |
| गुल्मी | ९२.६७ | ५.०५ | १.८४ | ०.३८ | ०.०५ | नवलपरासी | ९२.५४ | ५.३० | १.९५ | ०.१३ | ०.०९ |
| गोरखा | ९३.६१ | ३.८६ | २.४० | ०.०७ | ०.०६ | नुवाकोट | ९४.९८ | २.०३ | २.६३ | ०.२८ | ०.०८ |
| चितवन | ८४.६० | ११.९६ | २.६६ | ०.४२ | ०.३७ | पर्वत | ८९.४८ | ६.६७ | ३.७९ | ०.०५ | ०.०१ |
| जाजरकोट | ९८.२१ | ०.७५ | ०.९६ | ०.०६ | ०.०२ | पर्सा | ८६.९० | १०.४२ | २.२९ | ०.१५ | ०.२४ |
| जुम्ला• | ९४.६० | ३.३९ | १.९२ | ०.०५ | ०.०४ | पाल्पा | ९१.०९ | ६.४४ | २.२२ | ०.१३ | ०.१२ |
| झापा• | ८४.६२ | १०.४४ | ४.२९ | ०.४३ | ०.२२ | पाँचथर | ९०.२८ | ६.४२ | २.७५ | ०.२८ | ०.२६ |

*यी अङ्कहरू गणना भएको जनसङ्ख्यामा मात्र आधारित छन्, किनकी यी जिल्लाहरूको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो। (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

तालिका ग.४ (ख) क्रमश.....

| जिल्ला | निजी | भाडा | संस्थागत | भाडा तिर्नु नपर्ने | अन्य | जिल्ला | निजी | भाडा | संस्थागत | भाडा तिर्नु नपर्ने | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्यूठान | ९६.११ | २.३० | १.४७ | ०.०६ | ०.०६ | रुकुम | ९६.९३ | १.४४ | १.५० | ०.१० | ०.०४ |
| बझाङ्ग | ९७.२१ | १.०९ | १.५७ | ०.१० | ०.०३ | रूपन्देही | ८६.७४ | १०.८१ | २.२४ | ०.०८ | ०.१३ |
| बर्दिया | ९२.११ | २.६५ | ३.४५ | ०.७४ | १.०५ | रोल्पा | ९५.२२ | २.८९ | १.७३ | ०.१० | ०.०६ |
| बाग्लुङ्ग | ९३.०३ | ४.८६ | १.८७ | ०.२१ | ०.०४ | रौतहट | ९६.३६ | १.८९ | १.५१ | ०.१० | ०.१४ |
| बाँके | ८८.४६ | ८.१० | ३.२५ | ०.१३ | ०.०६ | लमजुङ्ग | ८९.६९ | ६.८७ | ३.१५ | ०.१४ | ०.१५ |
| बाजुरा* | ९५.५४ | २.४१ | १.५६ | ०.०८ | ०.४१ | ललितपुर | ६९.१३ | २८.७८ | १.७० | ०.२७ | ०.१३ |
| बारा | ९३.२३ | ३.१७ | ३.४३ | ०.०९ | ०.०८ | सप्तरी | ९३.७५ | ३.७४ | २.२१ | ०.११ | ०.१९ |
| बैतडी | ९७.४३ | १.०५ | १.२४ | ०.२५ | ०.०३ | सल्यान* | ९३.४७ | ४.०९ | २.३४ | ०.१० | ०.०० |
| भक्तपुर | ८०.०६ | १८.३३ | १.३६ | ०.१६ | ०.०९ | सर्लाही | ९५.०६ | ३.१६ | १.५९ | ०.१० | ०.०९ |
| भोजपुर | ९३.०७ | ४.०४ | २.३९ | ०.२२ | ०.२८ | स्याङ्जा | ९०.४१ | ७.४२ | २.०० | ०.०३ | ०.१४ |
| मकवानपुर | ८७.८९ | ८.८२ | २.९२ | ०.२० | ०.१७ | संखुवासभा | ९०.४३ | ४.९७ | ४.०४ | ०.२३ | ०.३३ |
| मनाङ्ग | ७२.०७ | १३.४६ | ४.७९ | ८.७३ | ०.९६ | सिन्धुपाल्चोक* | ९४.८३ | ३.१८ | १.६९ | ०.२७ | ०.०३ |
| महोत्तरी | ९६.३४ | २.१० | १.४७ | ०.०६ | ०.०२ | सिन्धुली* | ९५.३६ | २.८० | १.६६ | ०.११ | ०.०८ |
| म्याग्दी | ८८.९६ | ६.५१ | ३.३८ | ०.८२ | ०.३२ | सिराहा* | ९३.९२ | ३.२४ | २.४६ | ०.१७ | ०.२२ |
| मुगु* | ९१.३९ | ४.०४ | ३.९५ | ०.३१ | ०.३१ | सुनसरी | ८२.६६ | १३.२७ | ३.५० | ०.२५ | ०.३३ |
| मुस्ताङ्ग | ६९.६६ | १६.८७ | १०.११ | २.३१ | १.०५ | सुर्खेत* | ९१.२९ | ५.५० | २.८८ | ०.१९ | ०.१४ |
| मोरङ्ग | ८४.६० | ११.५१ | ३.२८ | ०.४४ | ०.१७ | सोलखुम्बु | ९०.७७ | ६.१२ | २.६९ | ०.१८ | ०.२४ |
| रसुवा | ८८.९४ | ६.७२ | ३.६५ | ०.६३ | ०.०७ | हुम्ला | ९६.९८ | १.२७ | १.४८ | ०.२२ | ०.०६ |
| रामेछाप | ९५.८७ | २.३३ | १.३७ | ०.२३ | ०.२० | | | | | | |

* यी अङ्कहरू गणना भएको जनसङ्ख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरूको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो। (परिचय खण्डमा हेर्नु होला)

# घरको स्वामित्वको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण



कुल परिवार संख्यामा कुनै निश्चित प्रकारको स्वामित्व भएको घरमा बसोबास गर्ने परिवार संख्याको अनुपात प्रतिशतमा, २०५८

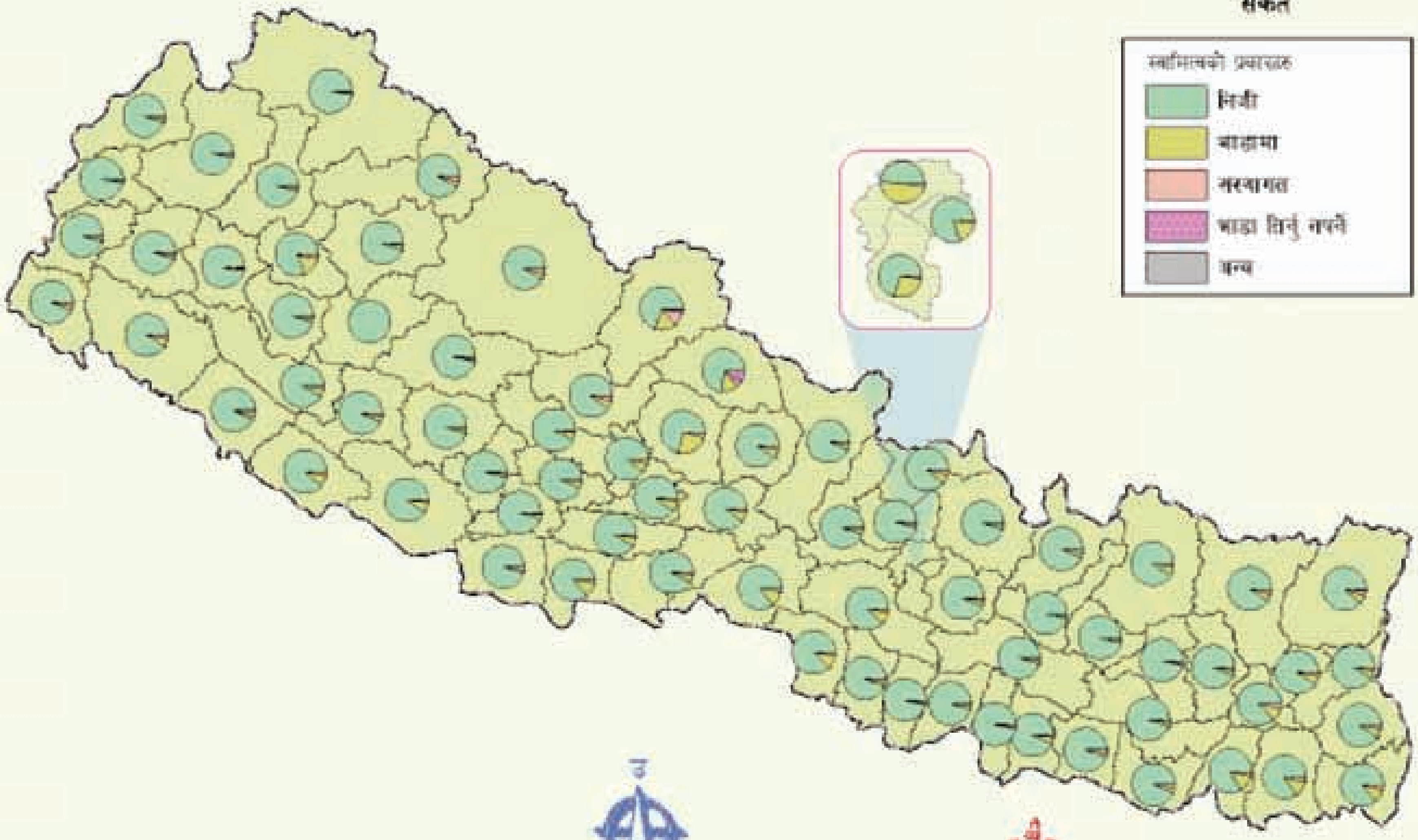


तथ्याङ्क स्रोत : राष्ट्रिय जनगणना २०५८

किलोमिटर

श्री ५ को सरकार
केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग

ICIMOD
MENRIS 2003

# बत्ती बाल्न परिवारले अक्सर प्रयोग गर्ने उर्जा स्रोतको प्रकार अनुसार परिवारको वितरण, २०५८

परिवारले बत्ती बाल्न अक्सर प्रयोग गर्ने उर्जाको स्रोतले उर्जाको घरयासी उपभोगको स्थितिलाई बोध गराउँछ । जनगणना २०५८ मा परिवारले बत्ती बाल्नका लागि अक्सर प्रयोग गर्ने गरेको उर्जाको स्रोतको प्रकारबारे पहिलो पटक तथ्याङ्क संकलन गरिएको थियो । गणनामा तथ्याङ्क संकलनका लागि उर्जाको स्रोतको प्रकारलाई बिजुली, मट्टीतेल, गोबर ग्याँस  र 'अन्य' स्रोत गरी समूहीकृत गरिएको थियो । यदि परिवारले बत्ती बाल्नका लागि दाउरा/दियालो, एल.पी. ग्याँसको पेट्रोम्याक्स, मैन आदि जस्ता स्रोतहरू अक्सर प्रयोग गर्ने गरेको भए 'अन्य' स्रोतमा समूहीकृत गरिएको थियो । गणना गरिएको सम्पूर्ण परिवारहरू मध्ये बत्ती बाल्न अक्सर प्रयोग गर्ने गरेको उर्जाको स्रोतको प्रत्येक प्रकार अनुसार परिवारको प्रतिशत अनुपातलाई यहाँ प्रस्तुत गरिएको छ ।

वि.सं. २०५८ को जनगणना अनुसार गणना भएको सम्पूर्ण परिवार संख्या मध्ये धेरैजसो परिवारले अर्थात् ५७.१६ प्रतिशतले बत्ती बाल्नका लागि मट्टीतेल, ३९.३९ प्रतिशतले बिजुली, ०.१९ प्रतिशतले गोबर ग्याँस र ३.२५ प्रतिशतले अन्य उर्जा स्रोतहरू प्रयोग गर्ने गरेका थिए । तालिका ग.५ (क) मा बत्ती बाल्न अक्सर प्रयोग गर्ने गरेको उर्जाको स्रोतको प्रकार अनुसार परिवारको प्रतिशत अनुपात सबैभन्दा बढी र सबैभन्दा कम भएको जिल्लाहरूको विवरण प्रस्तुत गरिएको छ । यस्तै तालिका ग.५ (ख) मा बत्ती बाल्नका लागि अक्सर प्रयोग गर्ने गरेको उर्जाको स्रोतको प्रकार अनुसार परिवारको प्रतिशत अनुपातको जिल्लागत वितरण प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका ग.५ (क)**

| बत्ती बाल्नका लागि उर्जाका स्रोतको प्रकारहरू | सबैभन्दा कम प्रतिशत भएका जिल्ला | सबैभन्दा बढी प्रतिशत भएका जिल्ला |
|---|---|---|
| बिजुली | डोल्पा (०.५९) | भक्तपुर (९७.३८) |
| मट्टीतेल | भक्तपुर (१.४६) | खोटाङ्ग (९२.९४) |
| गोबर ग्याँस | संखुवासभा (०.०५)* | तेह्रथुम (०.५७) |
| अन्य | मनाङ्ग (०.४५) | मुगु (८९.२५) |

* २३ जिल्लाहरूमा गोबर ग्याँस प्रयोग गर्ने परिवारहरू थिएनन् ।

तालिका ग.३ (ख)

| जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य | जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अर्घाखाँची | ५०.२९ | २४.०४ | २५.१३ | ०.५४ | डडेलधुरा | ७२.९४ | १४.८१ | ११.९८ | ०.२६ |
| अछाम | ६८.७३ | २६.८१ | ४.२४ | ०.२१ | डोटी | ७९.०२ | १५.२९ | ५.३८ | ०.३१ |
| ईलाम | २८.७६ | ३३.६८ | ३६.८५ | ०.७१ | डोल्पा• | १.८८ | ९५.११ | २.९७ | ०.०५ |
| उदयपुर | ४.५३ | २६.७९ | ६६.६६ | २.०२ | तनहूँ | ५१.२३ | २८.८८ | १९.४६ | ०.४३ |
| ओखलढुङ्गा | २८.३८ | ६१.९९ | ८.८८ | ०.७५ | ताप्लेजुङ्ग | १२.८१ | ६२.२१ | २४.४० | ०.५८ |
| कञ्चनपुर | २१.७३ | ३०.५६ | ४६.५० | १.२१ | तेह्रथुम | १८.५८ | ६५.१६ | १५.५७ | ०.६९ |
| कपिलबस्तु | ४५.९२ | १५.८८ | ३५.८८ | २.३२ | दाङ्ग | १३.९९ | २७.२८ | ५८.२५ | ०.४९ |
| काठमाण्डौ | ८०.९८ | १२.९६ | ५.७० | ०.३७ | दार्चुला | ९२.७८ | ६.२२ | ०.८१ | ०.१९ |
| काभ्रेपलाञ्चोक | ५०.३३ | ३६.४७ | १२.८६ | ०.३४ | दैलेख | ५२.५० | ४०.७३ | ६.५५ | ०.२२ |
| कालीकोट• | ३२.०८ | ५७.२६ | १०.६६ | ०.०० | दोलखा• | ६४.३१ | २६.७२ | ८.२६ | ०.७१ |
| कास्की | ७३.८८ | १७.५६ | ८.२८ | ०.२८ | धनकुटा | १०.६१ | ३२.३३ | ५४.६२ | २.४४ |
| कैलाली | १५.२४ | ३४.२० | ४९.६७ | ०.८९ | धनुषा | १४.०२ | २४.२० | ६०.७१ | १.०७ |
| खोटाङ्ग | १०.७९ | ७७.५१ | ११.२२ | ०.४८ | धादिङ्ग | ६०.१४ | २८.६६ | १०.९९ | ०.२१ |
| गुल्मी | ५२.०७ | ३१.९८ | १५.५५ | ०.४० | नवलपरासी | ३१.२५ | २९.९५ | ३८.५२ | ०.२८ |
| गोरखा | ५२.०१ | ३४.८३ | १२.३४ | ०.८२ | नुवाकोट | ६६.५८ | २२.६९ | १०.४५ | ०.२८ |
| चितवन | ४२.७४ | २१.२९ | ३५.३६ | ०.६१ | पर्वत | ५७.६० | २९.६५ | १२.३० | ०.४५ |
| जाजरकोट | ६८.३६ | २६.१३ | ५.२७ | ०.२४ | पर्सा | २९.०८ | २६.४० | ४४.०० | ०.५२ |
| जुम्ला• | ३.१४ | ९५.८९ | ०.८६ | ०.१० | पाल्पा | ४५.४१ | ३६.१२ | १८.१९ | ०.२८ |
| झापा• | १७.०४ | २९.०९ | ५२.३८ | १.४९ | पाँचथर | १०.८६ | ५१.५२ | ३५.९९ | १.६३ |

* यी अङ्कहरु गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरुको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

तालिका ग.३ (ख) क्रमश......

| जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य | जिल्ला | पक्की | अर्ध-पक्की | कच्ची | अन्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्यूठान | ३१.२० | ४७.५१ | २१.०३ | ०.२७ | रुकुम | ३३.४१ | ४९.६६ | १६.६१ | ०.३२ |
| बझाङ्ग | ६६.७७ | २५.०४ | ८.०१ | ०.१७ | रूपन्देही | ५२.१८ | १६.४३ | ३०.४९ | ०.९० |
| बर्दिया | १२.६९ | २५.२२ | ६१.४२ | ०.६६ | रोल्पा | ३८.१८ | ५१.३१ | १०.१७ | ०.३३ |
| बाग्लुङ्ग | ६६.३० | २२.८५ | १०.४७ | ०.३८ | रौतहट | ८.७३ | २८.०५ | ६१.२३ | १.९९ |
| बाँके | २९.७९ | २५.५० | ४२.९० | १.८१ | लमजुङ्ग | ५१.४१ | २९.९७ | १७.९० | ०.७१ |
| बाजुरा* | ६३.२३ | ३१.२५ | ५.१९ | ०.३३ | ललितपुर | ७७.९० | १२.८९ | ८.८६ | ०.३४ |
| बारा | १८.०९ | ३८.१७ | ४२.५२ | १.२२ | सप्तरी | ८.५७ | ८.६३ | ८२.३१ | ०.४८ |
| बैतडी | ९६.७२ | २.६९ | ०.४३ | ०.१६ | सल्यान* | २३.६८ | ५१.८९ | २३.९८ | ०.४६ |
| भक्तपुर | ६९.५६ | १६.७३ | १३.४५ | ०.२६ | सर्लाही | ९.०३ | ३४.४८ | ५४.८२ | १.६७ |
| भोजपुर | ३.७७ | ६०.२६ | ३५.०४ | ०.९३ | स्याङ्ग्जा | ५०.४७ | ३७.४९ | ११.८६ | ०.१८ |
| मकवानपुर | ३४.१३ | ३०.२६ | ३५.२७ | ०.३४ | संखुवासभा | ६.९४ | ४७.४१ | ४४.४९ | १.१७ |
| मनाङ्ग | १३.६८ | ८३.११ | ३.०४ | ०.१७ | सिन्धुपाल्चोक* | ६९.५१ | २१.९१ | ८.१० | ०.४८ |
| महोत्तरी | ९.०१ | ३६.३४ | ५४.१० | ०.५५ | सिन्धुली* | १०.५४ | ४३.७२ | ४५.०३ | ०.७१ |
| म्याग्दी | ८०.६१ | १३.१९ | ५.८२ | ०.३८ | सिराहा* | ९.८० | १५.२९ | ७४.४२ | ०.४९ |
| मुगु* | १.४२ | ८४.९८ | १३.५ | ०.१० | सुनसरी | १८.७३ | २३.५६ | ५६.८३ | ०.८९ |
| मुस्ताङ्ग | २.९० | ४८.२० | ४८.५४ | ०.३७ | सुर्खेत* | १९.७४ | ३२.३६ | ४७.३९ | ०.५० |
| मोरङ्ग | १६.४५ | २६.४३ | ५६.०४ | १.०८ | सोलुखुम्बू | १६.६८ | ७१.३३ | १०.५८ | १.४१ |
| रसुवा | ३४.५६ | ५०.८३ | १२.९३ | १.६९ | हुम्ला | ०.९३ | ९८.४३ | ०.४९ | ०.१४ |
| रामेछाप | ३२.३७ | ५४.९७ | १२.१४ | ०.५२ | | | | | |

*यी अङ्कहरु गणना भएको जनसंख्यामा मात्र आधारित छन् किनकी यी जिल्लाहरुको गणना कार्यमा बाधा-व्यवधान भएको थियो । (परिचय खण्डमा हेर्नु होस्)

# बत्ती बाल्न परिवारले अक्सर प्रयोग गर्ने उर्जा स्रोतको प्रकार अनुसार परिवारको विवरण ५

बत्ती बाल्नका लागि कुनै निश्चित प्रकारको उर्जा स्रोत प्रयोग गर्ने गरेका परिवार संख्या र कुल परिवार संख्याको अनुपात प्रतिशतमा, २०५८

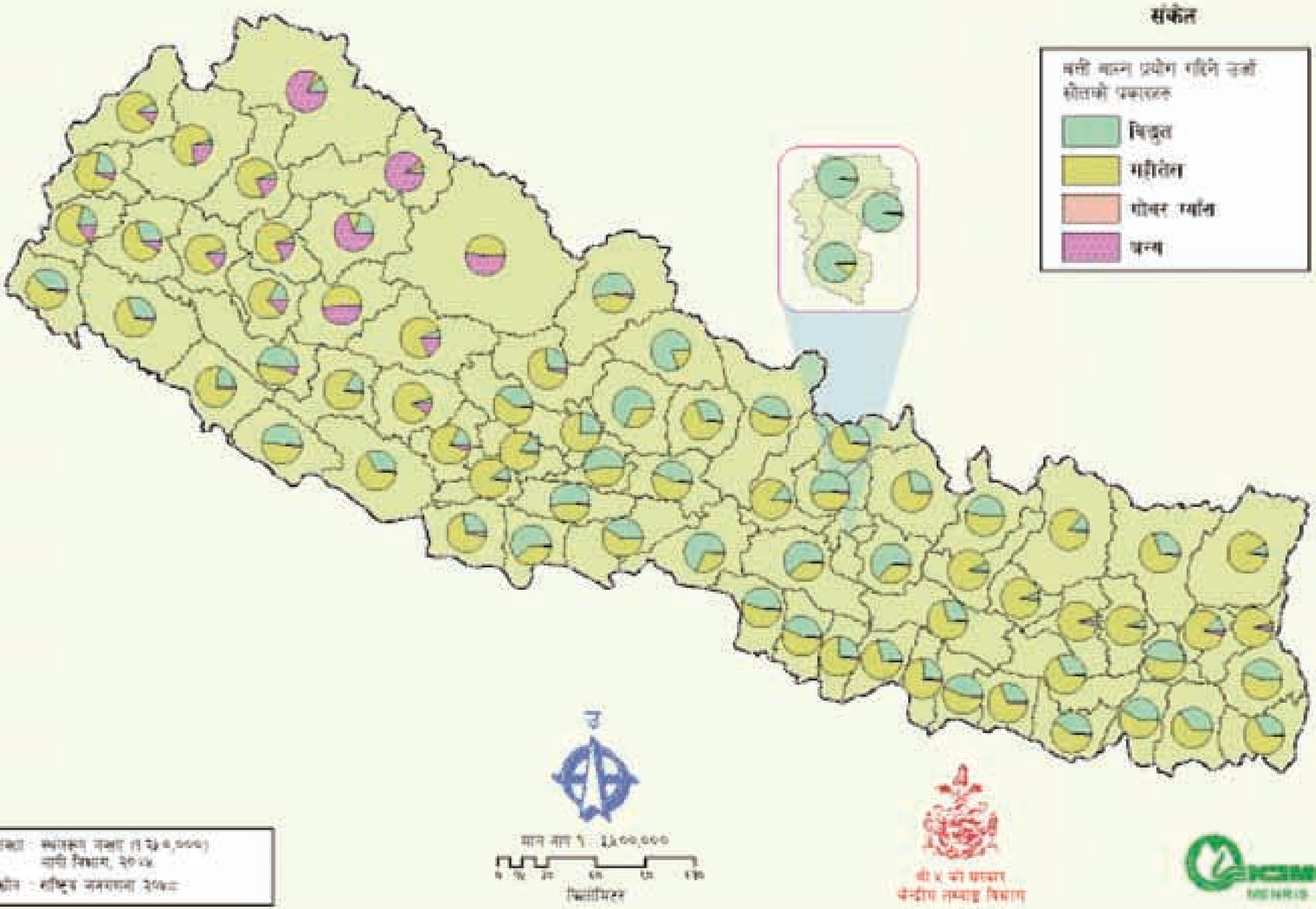


तथ्याङ्क स्रोत : राष्ट्रिय जनगणना २०५८